9/8/19 पत्रावली पेश हुई। वकील अपीलांट उपस्थित। अपीलांट सं० 1,2,4 उपस्थित। रेस्पो सं० 1 के वकील उपस्थित। रेस्पोडेंट सं० 2 स्वयं उपस्थित। अपीलांटगण एवं रेस्पो सं. 1 व 2 एक ही प्रपितामह के वंशज है और वादग्रस्त भूमि में इनका ही पारिवारिक विवाद है, शेष कुछ अन्य खातों में सहखातेदार है इसलिए सांवताराम (अपीलांट 1) के पुत्रों के मध्य उनके हक-हिस्से की अर्जी कहने मात्र वाली भूमि तक ही विवाद सीमित है। प्रभावित एवं संबंधित उभय पक्षकार ने उपस्थित होकर अपील को विड्रो करने की अर्जी पेश की जिस पर उपरोक्तानुसार पक्षकारों एवं उनके अधिवक्ताओं के ताईद स्वरूप हस्ताक्षर/अंगुष्ठ निशानात है। प्रार्थना-पत्र मे निवेदन किया गया है कि अपीलांटगण व उत्तरदातागण के मध्य समाज व गांव के मौजिज लोगों ने आपसी समझाईश से राजीनामा करवा दिया है जिस कारण अपीलांटगण उक्त अपील में आगे कोई कार्यवाही भविष्य में भी इसी अपील के संबंध में कोई चाराजोरी / उजरदारी नहीं करना चाहते हैं तथा इसी स्तर पर विड्रो करना चाहते हैं। इस आवेदन पर संबंधित / उपरोक्तानुसार मेरे समक्ष हस्ताक्षर एवं पक्षकारों की पहचान पश्चात संबंधित अधिवक्तों के तस्दीक करते हुए हस्ताक्षर किये हैं और आदेशिका के हाशिये पर भी इसी प्रमाण स्वरूप हस्ताक्षर मौजूद है; उभयपक्ष की मंशानुरूप आपस में राजीनामा हो जाने और भविष्य में इसी अपील के विषय को लेकर कोई उज्र नहीं करने की शर्त पर आवेदन अपीलांटगण स्वीकार किया जाता है तथा अपील जरिये विड्रोवल खारिज की जाती है।

पत्रावली कॉलम शुमार होकर नंबर से कम हो, बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो

राजस्व अपील प्राधिकारी
बाड़मेर

नि: [illegible] (A4)
नि: [illegible] (A1).
Kapil Abu
वकील (अपीलांट)
नि: [illegible] (R2).
[illegible]
(वकील रेस्पो. 1)

राजस्व अपील अधिकारी बाड़मेर

Scanned by CamScanner